Incidence of Ticketless Travel

209. SHRI S. R. DAMANI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the incidence of ticketless travel during 1976-77 and how does it compare with the previous two years;

(b) whether reports have reached Government that ticketless travel is again on the increase since the beginning of this year; and

(c) if so, what is it due to and the steps taken to curb it?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) The number of ticketless travellers detected on the Indian Railways during the years 1974-75, 1975-76 and 1976-77 are indicated below:—

Year	No. of persons detected travelling without tickets or with improper tickets
1974-75	16,86,649
1975-76	23,39,161
1976-77	24,46,478

(b) No.

(c) The ticket checking organisation on Railways consists of:—

(i) Stationary Ticket Collectors who are posted at stations for manning the gates. They check the tickets of passengers entraining and collect the tickets of those detraining at their stations; and

(ii) Travelling Ticket Examiners who check the tickets of pssengers in running trains and work on their respective sections to prescribed programme.

Besides general checks by these staff, the following steps are taken to check ticketless travel:—

1. Special massive checks against ticketless travel are being conducted by mobilising a large force of ticket checking staff, Railway Protection Force, Government Railway Police and Local Police personnel under the supervision of senior railway officers.

2. Joint drives against ticketless travel in co-ordination with the State Governments.

3. Frequent concentrated surprise checks, especially by moving the checking parties accompanied by Railway Protection Force/Police and Railway Magistrates by road transport.

4. Incognito checks by travelling ticket examiners in plain clothes.

5. Replacement checks by headquarters and divisional ticket checking equads by intereping the trains in mid-sections.

6. Deployment of ticket checking staff of one railway system for ticket checking on another system.

7. Educative propaganda against ticketless travel is carried out among the travelling public particularly among the student community.

गंगा नगर जिले के स्टेशनों से रेलवे द्वारा रूई की गांठों की ढुलाई

210. श्री भानु कुमार शास्त्री : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान के गंगानगर जिले के रायसिंह नगर, गजसिंहपुर, श्रीकरनपुर केशरीसिंहपुर, श्रीगंगा नगर, सादूलशहर, हनुमानगढ़, पीलीबंगा, संगरिया और अन्य स्थानों पर लगभग साढ़े तीन लाख रूई की गांठें प्रति वर्ष तैयार होती हैं ;

(ख) क्या रूई की गांठों के उपरोक्त उत्पादन में से रेलवे को ढुलाई के लिए गत वर्षों की अपेक्षा वर्ष 1976-77 के सीजन

में बहुत कम मात्रा में गांठें मिली हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण है ;

(ग) क्या रूई के व्यापारी रेलवे विभाग की सेवाओं से असन्तुष्ट है और सड़क यातायात को प्राथमिकता देते है ; और

(घ) वर्ष 1977–78 में रेलवे विभाग द्वारा रूई की ढुलाई को बढ़ाने के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं और इसके परिणामस्वरूप कितनी रूई की गांठें मिलने की संभावना है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) जी हां।

(ख) और. (ग) रेलों द्वारा 1975–76 में 2.31 लाख रूई की गांठों की अपेक्षा 1976–77 के दौरान 1.11 लाख गांठें ढोयी गयीं। 1976–77 में रेल संचालन म कमी, रेलों द्वारा की गयी असन्तोषपूर्ण सेवाओं के कारण नहीं थी अपितु इसके अन्य कारण थे, जैसे—कम उत्पादन तथा बाद में रूई निर्यात पर प्रतिबन्ध, कपड़ा मिलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक रूई का आयात और पहले सीमा न होने की अपेक्षा अब कपड़ा मिलों को 6 सप्ताह तक के लिए ही स्टाक रखने की सीमा तथा 1975–76 की तुलना में भारत के कपास निगम और प्राइवेट व्यापारियों के पास न बेचा गया अधिक स्टाक।

(घ) रेलों द्वारा अधिक से अधिक रूई ढोये जाने के लिए निरन्तर प्रयास जारी है। इस संबंध में किये गये कुछ उपायों में, उच्च उग्रता से माल डिब्बों की सप्लाई, बारम्बार बैठकों का आयोजन करके व्यापारियों के साथ निकट सम्पर्क तथा रेल द्वारा रूई की निकासी से परिभ्रामकों का हटाया जाना, जैसे—सी आर टी टाइप माल डिब्बों के पंजीकरण में छूट, यानान्तरण स्थलों को छोड़कर तेज संचलन को अपनाकर अधिक महंगे रास्ते से बुकिंग की स्वीकृति देना है। आगामी सीजन के दौरान रेल द्वारा रूई की ढुलाई में आगे सुधार करने के लिए ट्रंक मार्गों पर रूई के माल डिब्बों को सीधे सुपर फास्ट ट्रेन के साथ जोड़ा जाया करेगा।

अभी यह भविष्यवाणी करना संभव नहीं है कि 1977–78 में रेलों द्वारा प्राप्त की जाने वाली रूई की गांठों की मात्रा क्या होगी क्योंकि यह चालू उत्पादन, कपास के व्यापार के संबंध में सरकारी निर्देशों, कपड़ा मिलों आदि द्वारा स्टाक प्राप्त करने पर निर्भर करेगा, जिससे कपास की मात्रा, जो [illegible] द्वारा रेलों को संचलन के लिए सौंपी जायेगी, पर भी प्रभाव पड़ेगा।

Cancellation of Trains in May, 1977

211. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government had to suspend passenger traffic during May, 1977 in Jodhpur, Delhi, Bikaner and Jaipur Divisions:

(b) if so, number of goods and passengers trains which were cancelled during that period;

(c) the reasons therefor; and

(d) the financial loss suffered by the Railways as a result thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (Prof. Madhu Dandavate): (a) Yes.

(b) and (c). 15 pairs of passenger carrying trains were cancelled due to mass absenteeism of Loco running staff and 10 pairs of passenger carrying trains due to accidents for periods varying from 1 day to 9 days. 295 goods trains were also cancelled in Jodhpur and Jaipur divisions due to mass absenteeism of Loco running staff.

(d) The estimated loss suffered was approximately Rs. 18.69 lakhs.